बी. बी. एच. एफ.– 001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2010 एवं जनवरी, 2011 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.बी.एच.एफ.–001
भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

भोजपुरी में आधार पाठयक्रम
सत्रीय कार्य

पाठयक्रम : बी.बी.एच.एफ.–001 / 2010–2011

प्रिय छात्र / छात्राओं,

जइसन कि हम 'कार्यक्रम दर्शिका' में बतवले रहीं कि 4 क्रेडिट के पाठयक्रम में एगो सत्रीय कार्य करेके होई। इ निर्णय के अनुसार भोजपुरी में आधार पाठयक्रम बी.बी.एच.एफ.–001 का केवल एगो सत्रीय कार्य करे के बा। इ सत्रीय कार्य ह। सत्रीय कार्य खातिर 100 अंक निर्धारित कइल गइल बा। इ सत्रीय कार्य खंड 1 से 4 पर आधारित बा।

उद्देश्य :– शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के मुख्य उद्देश्य इ जांचे के बा कि हम पाठय–सामग्री के केतना समझनी अउर हम खुद ओके आपन शब्द में कइसे प्रस्तुत कर सकिला। एहिजवा पाठयक्रम सामग्री के पुर्नप्रस्तुति से तात्पर्य नइखे बलुक अध्ययन के दौरान जवन कुछ सीखलीं अउर समझलीं उ आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकीं।

इ पाठ्यक्रम के उद्देश्य भाषा के विभिन्न कौशल के विकास करेके बा। इ कौशल ह : सुन के समझल, पढ़ल, बोलल अउर लिखल। ऐकरा खातिर भाषा के आधारभूत तत्व पर अधिकार प्राप्त करेके होई। भाषा सीखे के उद्देश्य इ बा कि हम ओकरा माध्यम से विचार के आदान–प्रदान कर सकीं, विविध विषय के पढ़के हम समझ सकीं अउर आपन शब्द में ओकरा के व्यक्त कर सकीं अउर साहित्य पढ़ के ओकर रसास्वादन ले सकी। सत्रीय कार्य से इ जान सकिला कि हमनी के भोजपुरी भाषा के व्यवहारिक उपयोग में केतना दक्षता प्राप्त भइल। प्रश्न के उत्तर देवे से पहिले निम्नलिखित निर्देष के सावधानी पूर्वक अध्ययन करेके होई।

सत्रीय कार्य खातिर आवश्यक निर्देश

1. सत्रीय कार्य के संबंध खंड 1 से 4 तक बा। ऐह में भिन्न–भिन्न प्रकार के प्रश्न पूछल गइल बा जेकर उद्देश्य भाषा के आधारभूत तत्व पर आपन लेखन क्षमता जाँचे के बा। कुछु प्रश्न के उत्तर संक्षिप्त रूप में देवे के बा।
2. इ सत्रीय कार्य में कुछु प्रश्न निबंधात्मक बा। जेकर उत्तर पठित इकाइयों के आधार पर हमनी के निर्धारित शब्द में देवे के बा। एगो प्रश्न के दिहल गइल अवतरण के भाव पक्ष के **व्याख्या** पर आधारित बा। एगो अन्य प्रश्न में हमनी के दुगो **टिप्पणियां लिखे के बा।** सत्रीय कार्य में व्याकरण संबंधी प्रश्न पूछल गइल बा। **कहावत** अउर **लोकोक्ति** के वाक्य में प्रयोग करके विभिन्न प्रश्न पुछल गइल बा। एगो प्रश्न **निबंध** लिखे के बारे में बा। एगो अन्य प्रश्न साहित्य से संबंधित बा। एगो प्रश्न **आलेख** से संबंधित बा। एह प्रकार से इ प्रश्न से जहाँ एक ओर रउआ में साहित्य संबंधी समझ विकसित होई उहें दूसरका ओर हमनीके भोजपुरी भाषा के आपन प्रयोग में भी सुधार ला सकीला। उत्तर लिखत समय भाषागत शुद्वता के विशेष ध्यान रखे के बा।

   उत्तर देवे खातिर हमनी के निम्नलिखित विधि से तैयारी करल जाइ त हमनी खातिर लाभप्रद रही।

1. सबसे पहिले सत्रीय कार्य के ध्यान से पढ़ीं। फिर एह से संबंधित इकाई के अध्ययन करीं। अन्त में प्रश्न के संबंध में कुछ खास बात नोट करके अउर ओकरा के तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कर लेवे के होई।
2. **अभ्यास** : उत्तर के प्रारूप लिखे से पहिले नोट कइल गइल बात पर विचार करेके होई। अनावश्यक बात के हटा दिहल जाई। अउर प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार करेके होई। संदर्भ अउर व्याख्या वाला प्रंश्न में इ अवश्य जांच लीं कि संदर्भ में कहल गइल बात दिहल गइल अंश के अनुरूप बा कि ना। व्याख्या में भी क्रमबद्धता, तार्किकता अउर स्पष्टता होखे के चाही। व्याकरण संबंधी प्रश्न आ उ प्रश्न जेकर उत्तर एगो–दूगो भा एगो–दूगो पंक्ति में देवे के बा उहां आपन उत्तर पर ठीक तरह से विचार कर लेवे के होई। अगर हम बिना समझे पुस्तक या अन्य कौनो स्रोत के सहायता से उत्तर दे दिहनी तब ऐकरा से हमनीं के कौनो लाभ ना होई अउर सत्रांत परीक्षा में हमनीं के अइसन प्रश्न के सही उत्तर ना दे सकब। निबंधात्मक अउर टिप्पणीपरक प्रश्न में आरंभ अउर उपसंहार पर विशेष ध्यान देवे के पड़ी। उत्तर के आरंभ में प्रश्न के संक्षिप्त व्याख्या अउर आपन उत्तर के दिशा के संकेत जरूर दे देवे के चाही। मध्य भाग में हमनी के उत्तर के मुख्य भाग क्रमबद्ध अउर तार्किक ढंग से प्रस्तुत करेके पड़ी। उपसंहार में उत्तर के सार देवे के चाही।

   इ सुनिश्चित कर लीहीं कि

   (क) हमनी के उत्तर तार्किक अउर सुसंगत होखे,
   (ख) वाक्यों अउर अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता होखे,
   (ग) उत्तर सही ढंग से लिखल गइल हो अउर जवन हमनी के अभिव्यक्त, शैली अउर प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल होखे,
   (घ) उत्तर प्रश्न के निर्धारित शब्द से अधिक लंबा ना होखे, अउर
   (ङ) हमनी के लेखन में भाषागत त्रुटि ना होखे, विशेष रूप से मात्रा अउर व्याकरण संबंधी गलती से बचे के पड़ी।
3. **प्रस्तुति** : जब रउआ आपन उत्तर से एकदम संतुष्ट हो जईं जा तब ओकरा के साफ अउर सुंदर अक्षर में उत्तर पुस्तिका में लिख लिहीं अउर तथा जवन बात पर जोर देवेके चाहतानी, उ रेखांकित कर दिहीं जा।

शुभकामना के साथे

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य
खंड–1 से खंड–4 पर आधारित

सत्रीय कोड–बी.बी.एच.एफ.–001 / टी.एम.ए. / 2010–2011
कुल अक–100

=भे प्रश्न के उत्तर दीं

1. नीचे दिहल गइल वाक्य में से (√) अउर (X) के चिन्ह लगाके सही गलत के पहचान करीं। 10

(क) भोजपुरी **भारतीय आर्य** भाषा परिवार के भाषा ह। ( ) सही ( ) गलत
(ख) भोजपुर, **मुजफ्फरपुर जिला** के एगो गांव के नाम ह। ( ) सही ( ) गलत
(ग) भोजपुरी भाषा के नामकरण **भोजपुर नगर** के बोली के रूप में भइल बा। ( ) सही ( ) गलत
(घ) भोजपुरी भाषा **मॉरीशस** के **द्वितीय भाषा** के रूप में स्थापित बा। ( ) सही ( ) गलत
(ङ) भोजपुरी **आफगानिस्तान** में भी बोलल जाला। ( ) सही ( ) गलत
(च) **गिरमिटिया** लोग के फ्रांसीसी लोग भारत से **मॉरीशस** ले गइल रहन। ( ) सही ( ) गलत
(छ) हाल में भोजपुरी भाषा के विश्वसम्मेलन **नेपाल** में सम्पन्न भइल। ( ) सही ( ) गलत
(ज) **नजीर हुसैन** भोजपुरी फिल्म के पितामह रहलन। ( ) सही ( ) गलत
(झ) **"गंगा मइया तोहे पियरी चढ़इबो"** फिल्म 2007 में बनल रहे। ( ) सही ( ) गलत
(ञ) **गीतकार शैलेन्द्र** छव गो भोजपुरी फिल्म में गाना लिखले रहन। ( ) सही ( ) गलत

2. नीचे दिहल गइल प्रश्नन के उत्तर एक–दु पंक्ति में दिहीं। 10

(क) भोजपुरी के तीन गो विभाषा के नाम बताईं जवना पर दोसर भाषा के प्रभाव होखे।
(ख) मानक भोजपुरी के तीन गो विशेषता बताईं।
(ग) दु गो भक्ति काल के भोजपुरी कवि के बारे में चार–पांच पंक्ति लिखीं।
(घ) भोजपुरी के दु गो प्रसिद्ध व्यक्तित्व के बारे में चार–पांच पंक्ति में लिखीं।
(ङ) दु गो भोजपुरी साहित्य इतिहास लेखक के बारे में चार–पांच पंक्ति में लिखीं।

3. निम्नलिखित में से कौनो दु गो पर बीस–बीस पंक्ति लिखीं। 5X5=10

(क) गोरखनाथ
(ख) वीर कुंवर सिंह
(ग) बाबू जगजीवन राम
(घ) राहुल सांकृत्यायन
(ङ) कवि हरेन्द्रदेव नारायण

4. खाली स्थान में सही विभक्ति भरीं। 5

(क) उ कुक्कर ....मरलन। (ने / के)
(ख) दे .... भिरजइ उतार द। (बदे / ले)
(ग) पुअरा .... मड़ई छूवत बा। (से / में)
(घ) तोहरी.................. हम चल जात बानी। (संतरी / में)
(ङ) इ मेहरारू...................... लुगरी ह। (के / तरे)

5. नीचे लिखल मुहावरा से वाक्य बनाईं। 5

1. बिन घरनी घर भूत के डेरा
2. सूतार जागल
3. लहार लूटल
4. पांच कवर भीतर तब देवता पीतर
5. गोइठा में घीव सूखावल

6. नीचे लिखल किताब के सामने सही नाम के मिलान करीं। 5

(क) भोजपुरी शब्द ``गदा	–	**पंडित गणेश चौबे**
(ख) भोजपुरी–हिन्दी शब्दकोष	–	**सर्वेन्द्रपति त्रिपाठी**
(ग) भोजपुरी शब्द–सागर	–	**डॉ0 हरदेव बाहरी**
(घ) भोजपुरी के भाषा शास्त्र	–	**आचार्य रामदेव त्रिपाठी**
(ङ) भोजपुरी व्याकरण	–	**डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह**

7. एक पंक्ति में उत्तर लिखीं। 5

1. निर्गुण सम्प्रदाय के प्रवर्त्तक कवि केकरा के मानल जाला।
2. संत परंपरा के तीन गो भोजपुरी कवि के नाम लिखीं।
3. आल्हा में केकर गाथा गावल गइल बा।
4. बटोहिया के लेखक के बाड़न।
5. भोजपुरी के आदि कवि केकरा के मानल जाला।

8. नीचे लिखल कवितांश के सप्रसंग व्याख्या करीं। 15

बभने के लेखे हम भिखिया न माँगब जा
ठकुरे के लेखे नहिं लउरी चलाइबि
सहुआ के लेखे नहिं डांड़ी हम मारब जा
अहिरा के लेखे नहिं गइया चोराइबि

भँटऊ के लेखे न कबित हम जोरब जा
पगड़ी न बान्हि के कचहरी में जाइबि
अपन पसिनवा के पइसा कमाइबि जा
घर भर मिलि–जुली बाँटि–चोटि खाइबि।

9. **'रजाई''** कहानी के प्रतिपादय पर एगो सारगर्भित निबंध लिखीं। 15

10. राहुल सांकृत्यायन के लिखल नाटक **''मेहरारून के दुर्दशा''** में व्यक्त सामाजिक समस्या पर एगो आलेख लिखीं। 10

11. नीचे लिखल विषय में से दु गो पर पचास–पचास पंक्तियन में आपन विचार व्यक्त करा। 5X5=10

(क) भोजपुरी फिल्म
(ख) भोजपुरी मीडिया
(ग) भोजपुरी भाषा में कम्प्यूटर
(घ) भोजपुरी में अनुवाद के महत्व

सत्रीय कार्य जमा करावे की अंतिम तिथिः

जुलाई 2010 में प्रवेश लेवे वाला विद्यार्थियों खातिर : 31 मार्च, 2011
जनवरी 2011 में प्रवेश लेवे वाला विद्यार्थियों खातिर : 30 सितंबर, 2011

SOH/IGNOU/P.O.5H/May, 2010
Printed at : Sita Fine Arts Pvt. Ltd., New Delhi-28